सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 163 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 20 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

आप जो करने से डरते हैं उसे करिए और करते रहिये। अपने दर पर विजय पाने का यही सबसे पक्का और तेज तरीका है जो आज तक खोजा गया है।
-डेल कार्नेगी

कहां है यूपी पुलिस, बागपत में माहौल... 8 | सत्ता की लड़ाई, सबको करीब... 3 | 18 को एनडीए की बैठक बुलाकर... 2

शर्मनाक : मणिपुर में भीड़ ने महिलाओं को नग्न किया !

स्तन व गुप्तांग छुए और सोती रही सरकार! देश भर में हंगामा

» मुख्य न्यायाधीश ने लगाई सरकार को कड़ी फटकार कहा, कार्रवाई करें नहीं तो हम लेंगे एक्शन

» विपक्ष का भाजपा सरकार पर जोरदार हमला

» आम से लेकर खास लोगों तक में आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना से संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में संग्राम मच गया है। मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जताते हुए मोदी सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार सख्त कार्रवाई करें नहीं तो कोर्ट को एक्शन लेना पड़ेगा। वही पीएम नरेंद्र मोदी ने मणिपुर की इस घटना को सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली घटना बताया है। विपक्ष ने घटना को अमानवीय बताते हुए प्रधानमंत्री से चुप्पी तोड़ने का अनुरोध किया है।

मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई हैवानियत पर पूरे देश में आक्रोश है। आम से लेकर खास लोग तक सोशल मीडिया पर इस कृत्य की आलोचना कर रहे। तमाम बॉलीवुड सेलेब्स ने भी घटना की निंदा करते हुए आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। मणिपुर में भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने का वीडियो बुधवार (19 जुलाई) को वायरल हुआ था, इस खौफनाक घटना के वीडियो ने पूरे देश को सन्न कर दिया है। इस हैवानियत भरी घटना से गुस्से में आग बबूला हो रहे लोग सोशल मीडिया पर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं अक्षय कुमार, रेणुका शहाणे, रिचा चड्ढा सहित बॉलीवुड के कई सेलेब्स का भी इस दिल दहला देने वाली घटना पर गुस्सा फूटा है और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपराधियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अक्षय कुमार ने इस दरिंदगी पर दुख जाहिर करते हुए और पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए ट्विटर का सहारा लिया और लिखा, मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा का वीडियो देखकर हिल गया, निराश हूं, मैं उम्मीद करता हूं कि दोषियों को इतनी कड़ी सजा मिलेगी कि कोई भी दोबारा ऐसा करने के बारे में न सोचे। उर्मिला मातोंडकर ने कड़ा विरोध करते हुए कहा, मणिपुर वीडियो और इस फैक्ट से शॉक्ड, शेकन और डरी हुई हूं कि यह मई में हुआ और इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई शर्म आनी चाहिए, जो सत्ता में है।

मॉनसून सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ा

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट, कल करेगा सुनवाई

संसद में विपक्ष व सरकार में टकराव, हंगामा

संसद के मॉनसून सत्र का आगाज हो गया है। सत्र के पहले दिन ही सरकार और विपक्ष के बीच मणिपुर हिंसा मामले में टकराव देखने को मिला है। उधर, मोदी विरोधी विपक्षी पार्टियों के एकजुट होने के बाद सरकार को घेरने की रणनीति भी बना ली गई है। इस बीच लोकसभा और राज्यसभा को स्थगित कर दिया गया है।

मामले की सीबीआई जांच हो : ओवैसी

सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मणिपुर की घटना पर केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पीएम को वीडियो पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि यह अब वायरल हो गया है। वहां नरसंहार हो रहा है। न्याय तभी होगा जब सीएम को हटाया जाएगा और मामले की सीबीआई जांच होगी।

वीडियो पर रोक, मुख्य आरोपी गिरफ्तार, सीएम ने शाह से की बात

मणिपुर में दो महिलाओं के निर्वस्त्र घुमाने के मामले में केंद्र सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है। सरकार ने वीडियो पर सोशल मीडिया पर रोक लगा दी है। वही, घटना का मुख्य आरोपी भी पकड़ा गया है। वीडियो में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाया जा रहा है और कथित तौर पर गैंगरेप का भी आरोप है। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न करके घुमाने की घटना पर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कड़ा रुख अपना लिया है। उन्होंने सभी अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। सीएम ने बताया कि मामले में पहली गिरफ्तारी आज सुबह की गई है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटना को लेकर सीएम से बात की।

शर्मसार करने वाली घटना : पीएम

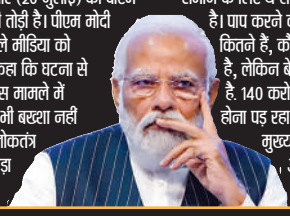

हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर में वायरल वीडियो की घटना पर गुरुवार (20 जुलाई) को पीएम मोदी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। पीएम मोदी ने संसद सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि घटना से बहुत दुखी हूं और इस मामले में दोषियों को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाएगा। आज जब लोकतंत्र के मंदिर के पास खड़ा हूं, तब मेरा मन क्रोध और पीड़ा से भरा हुआ है, किसी भी सभ्य समाज के लिए ये शर्मसार करने वाली घटना है। पाप करने वाले, गुनाह करने वाले कितने हैं, कौन हैं, वो अपनी जगह पर है, लेकिन बेइज्जती पूरे देश की हो रही है 140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है। उनकी सभी मुख्यमंत्रियों से अपील है कि वह अपने राज्यों में कानून व्यवस्था मजबूत करें।

ऐसे कृत्य कतई स्वीकार नहीं : चंद्रचूड़

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर की घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई का फैसला किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इसे परेशान करने वाली घटना बताया है। सर्वोच्च अदालत ने तो साफ कहा है कि सरकार कोई कार्रवाई करें नहीं तो अदालत खुद ऐसा करेगी। शीर्ष अदालत ने इस मामले की अगले शुक्रवार को सुनवाई करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य से पूछा है कि मणिपुर की घटना पर क्या-क्या कदम उठाए गए है और जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस ने कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सांप्रदायिक संघर्ष में महिला का इस्तेमाल एक औजार के तौर पर करना स्वीकार्य नहीं है।

हम मणिपुर में हिंसा और बर्दाश्त नहीं करेंगे : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी ने मणिपुर जाकर लोगों से बात की और हमारी पार्टी ने मणिपुर का दौरा किया है, हम हिंसा और बर्दाश्त नहीं करेंगे। खरगे ने कहा कि हम मणिपुर पर चर्चा चाहते हैं और चर्चा के बाद हम यह भी चाहते हैं कि सरकार विपक्षी नेताओं को वहां ले जाए, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे है।

पीएम की चुप्पी से फैली अराजकता : राहुल

पीएम की चुप्पी और निष्क्रियता ने मणिपुर को अराजकता की ओर धकेल दिया है। जब मणिपुर में भारत के विचार पर हमला किया जा रहा है तो भारत चुप नहीं रहेगा। हम मणिपुर के लोगों के साथ खड़े हैं। शांति ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है।

भाजपा की वोट की राजनीति जिम्मेदार : अखिलेश

मणिपुर में सभ्यता का चीरहरण हुआ है और संस्कृति का पाताल-पतन। मणिपुर के हालात के लिए आरएसएस की नफ़रत की नीति और भाजपा की वोट की राजनीति जिम्मेदार है। बहन-बेटियों के परिवारवाले अब तो भाजपा की ओर देखने तक से पहले एक बार जरूर सोचेंगे।

“मणिपुर में अनवरत जारी हिंसा व तनाव से पूरा देश चिंतित है और महिला के साथ अमानवता की ताजा घटना खासकर भाजपा व उनकी सरकार को शर्मसार करने वाली है। वैसे तो राज्य में कानून-व्यवस्था काफी पहले से चरमराई हुई है किन्तु क्या भाजपा अभी भी ऐसे मुख्यमंत्री को संरक्षण देती रहेगी?

मायावती, बसपा सुप्रीमो

18 को एनडीए की बैठक बुलाकर भाजपा ने मान ली हार : अखिलेश

बोले- इंडिया का संदेश विकास और समावेश

» जिताऊ उम्मीदवार को देंगे टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा समावेशी विपक्षी गठबंधन इंडिया के नाम से घबरा गई है। अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन की जीत तभी तय हो गई थी, जब भाजपा ने अपने गठबंधन की बैठक उसी तारीख में बुला ली। उन्होंने कहा कि जो समस्याएं हैं, वह जस की तस दिखाई दे रही हैं। बेरोजगारी और महंगाई बढ़ती जा रही है। कर्नाटक में जनता ने सरकार बदल दी, क्योंकि वहां 40 फीसदी कमीशन का भ्रष्टाचार था।

इंडिया का संदेश विकास और समावेश का है। यह हमारी सोशलिस्ट और सेकुलर सोच का प्रतिबिंब है। कहा कि देश की जनता इस बार भाजपा की विदाई कर देगी। प्रदेश सपा मुख्यालय पर बलिया के वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व मंत्री स्व. शारदानंद अंचल की जयंती सादगी से मनाई गई। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि शारदा अंचल ने हमेशा पिछड़ों, दलितों और वंचितों की आवाज उठाई। उन्हें हक और सम्मान दिलाने के लिए संघर्ष किया। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव कहते हैं कि हमारा पूरा प्रयास होगा कि मजबूत गठबंधन बने। सीटों की साझेदारी जिताऊपन के आधार पर होगी। अनौपचारिक बातचीत में शिवपाल ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव के लौटने के बाद इसकी कार्ययोजना बनेगी। लेकिन मोटेतौर पर जो भी दल गठबंधन का हिस्सा बनेंगे, उनसे कहा जाएगा कि वह जिताऊपन के आधार वह वह सीटों का दावा करें। अंततः उद्देश्य भाजपा को हराना है। इसलिए भागीदारी में सपा को बड़ा दिल दिखाना होगा। सपा भी दिखाएगी।

लालजी वर्मा और रामअचल हैं कैडर के लोग

ओमप्रकाश राजभर के गठबंधन और दारा सिंह चौहान के सपा छोड़ने पर शिवपाल ने कहा कि ये हल्के लोग हैं। इनका भरोसा नहीं किया जा सकता। जो राजभर आज भाजपा के साथ हैं, उन्होंने सीएम व पीएम के लिए किस भाषा का इस्तेमाल किया था? मैं भी सपा से अलग रहा, लेकिन कभी भी संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति पर गलत टिप्पणी नहीं की। लालजी वर्मा औररामअचल राजभर जैसे चेहरों को लेकर चल रहे कयासों पर शिवपाल ने कहा कि ये कैडर के लोग हैं, जो विचारधारा और मुद्दों के लिए काम करते हैं। ये नहीं डिगेंगे।

पार्टी जहां से कहेगी वहां से लड़ूंगा चुनाव : शिवपाल

सपा के महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि अगर सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी हमारे सदस्य होते तो उन्हें सपा ने विधान सभा चुनाव अपने सिंबल पर लड़ाया होता। उन्होंने लोकसभा चुनाव में समावेशी गठबंधन इंडिया की जीत सुनिश्चित बताते हुए कहा कि सहयोगी जिताऊ कैंडीडेट देंगे तो उस पर जरूर विचार किया जाएगा। शिवपाल यादव ने कहा कि वह लोकसभा चुनाव में पार्टी से टिकट नहीं मांगेंगे। लेकिन, अगर पार्टी लड़ाना चाहेगी तो जहां से कहेगी, वहां से लड़ लेंगे। उन्होंने विपक्ष के समावेशी गठबंधन इंडिया की जीत पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आम आदमी के हित में कोई काम नहीं कर रही है। इसलिए विपक्षी गठबंधन इंडिया पर आम लोगों का भरोसा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश तो पूरी तरह से नौकरशाही के हवाले है। कोई भी काम बिना चढ़ावे के नहीं हो रहा है। सपा महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयानों पर कहा है कि जहां उन्हें उचित लगता है, वे मौर्य के बयानों का खंडन करते हैं। शिवपाल ने कहा कि आजमगढ़ में सपा जिसे भी टिकट देगी, उसे इस बार जिताकर लाएंगे। उपचुनाव में उनका साथ नहीं लिया गया, वरना परिणाम दूसरे होंगे। उन्होंने कहा कि परिवार में खटपट सभी के यहां होती है, लेकिन अब उनका पूरा परिवार एक साथ है।

कोर्ट ने दिया जगदीश को झटका

» 1984 सिख विरोधी दंगा में शिकायत दायर कराने के दिये निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को आरोपी द्वारा उसके आदेशों के उल्लंघन के लिए लोक सेवक द्वारा दायर सीआरपीसी की धारा 195 के तहत शिकायत लाने को कहा। कोर्ट कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ पूरक आरोपपत्र पर विचार कर रही है। 1984 में पुल बंगश इलाके में हुई हत्याओं के मामले में सीबीआई द्वारा एक पूरक आरोप पत्र दायर किया गया है।

राउज एवेन्यू कोर्ट स्थित अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट विधी गुप्ता आनंद ने कहा कि चूंकि सीबीआई ने धारा 188 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश का उल्लंघन) जोड़ा है। इसलिए सीआरपीसी की धारा 195 के तहत शिकायत दर्ज करना आवश्यक है। लोक सेवक को धारा 195 सीआरपीसी के तहत दायर शिकायत को रिकॉर्ड पर रखना होगा। अदालत ने कहा कि आरोप पत्र पर संज्ञान लेना आवश्यक है। या तो सीबीआई शिकायत लाएं या आईपीसी की धारा 188 को आरोप पत्र से हटा दें। अदालत ने सीबीआई के वकील से इस मुद्दे पर विभाग के साथ चर्चा करने और सूचित करने को कहा। मामले को 21 जुलाई को आगे की कार्यवाही के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

इंडिया के सहारे भाजपा को झटका देगी आप

» कांग्रेस के हाथ का मिलेगा साथ, दिल्ली कांग्रेस ने साधी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को मात देने मकसद के लिए विपक्षी दलों की बैठक में आम आदमी पार्टी के शामिल होने और नए गठबंधन 'इंडिया' पर सहमति से दिल्ली की राजनीति में नए समीकरण बनने के आसार हैं। संभावना जताई जा रही है कि इस बार के चुनाव में आप और कांग्रेस साथ आ सकती है। बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक के बाद आप नेताओं की सोशल मीडिया पर इंडिया को लेकर बयानबाजी व मुहिम कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की ओर इशारा कर रही है।

उधर, प्रदेश कांग्रेस इस मामले में चुप्पी साधे हुई है। दरअसल विपक्षी दलों की बैठक में आप इस शर्त पर शामिल हुई थी कि दिल्ली के संबंध में केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ कांग्रेस राज्यसभा में उसका साथ दे। उधर कांग्रेस ने आप के शर्त को मान लिया है, मगर राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहा है कि राज्यसभा में अध्यादेश के संबंध में फैसला होने के बाद आप इंडिया गठबंधन में रहेगी। हालांकि, राजनीतिक विशेषज्ञ कहते है कि इंडिया गठबंधन में रहना आप की मजबूरी होगी, क्योंकि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में दो बार भारी बहुमत से जीत चुकी है, लेकिन दो लोकसभा चुनाव में वह एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं कर सकी है।राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि आप व कांग्रेस के मिलकर चुनाव लड़ने पर भाजपा की राह मुश्किल हो सकती है।

इंडिया के नाम को लेकर थाने पहुंचा शिकायतकर्ता

नई दिल्ली। विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नाम इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस-इंडिया) रखकर कानून तोड़ा है। दिल्ली के रहने वाले अवनीश मिश्रा नामक वकील ने बाराखंभा रोड पुलिस स्टेशन में इस गठबंधन में शामिल सभी 26 राजनीतिक दलों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन राजनीतिक दलों द्वारा अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखकर एंबलम एक्ट-2022 (प्रतीक अधीनियम) का उल्लंघन किया है। पुलिस ने वकील की शिकायत ले ली है। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त प्रवीण तायल ने बताया कि पुलिस को शिकायत मिली है। बुधवार देर रात तक मामला दर्ज नहीं किया गया था।

आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार को करेंगे उजागर

» भाजपा सरकार में बढ़ रहे हैं आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार : भूरिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र युवा कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने कहा कि स्वाभिमान यात्रा के द्वारा कांग्रेस भाजपा सरकार में दबंगों द्वारा आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार और आदिवासी विरोधी नीतियों को उजागर करेंगी। भाजपा सरकार में आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहे हैं। यात्रा का समापन सात अगस्त को झाबुआ में होगा।

यह यात्रा 17 जिलों के 36 आदिवासी विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेगी। समापन अवसर पर झाबुआ में आयोजित जनसभा में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह मौजूद रहेंगे। प्रदेश विधानसभा चुनाव को देखते हुए आदिवासी वोटरों को साधने के लिए कांग्रेस ने सीधी से स्वाभिमान यात्रा की शुरुआत की। यात्रा का नेतृत्व मप्र युवा कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया, प्रदेश आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष रामू टेकाम कर रहे हैं। यात्रा के शुभारंभ पर दोनों नेताओं ने गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में स्थित सबरी माता के मंदिर में पूजा-अर्चना की और वहां से सीधी जिले में पहुंचे। जहां से शुरुआत गांधी ग्राम में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बंका बैगा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई।

सीधी से कांग्रेस ने शुरू की स्वाभिमान यात्रा

ढोंग यात्रा निकाल रही है कांग्रेस : सोलंकी

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस आदिवासी स्वाभिमान यात्रा के नाम पर केवल ढोंग कर रही है। यह यात्रा आदिवासी भाई-बहनों को भ्रमित करने, उनके साथ छल करने के लिए निकाली जा रही है। आदिवासी भाई-बहनों को कांग्रेस के इस छलावे में नहीं आना है। हमें अब कांग्रेस के साथ वही करना चाहिए, जो कांग्रेस हमारे जनजातीय भाई-बहनों के साथ 60 सालों तक करती रही है। कांग्रेस हमारे साथ दोगलापन करती रही है। भोले-भाले आदिवासी भाइयों को छलने के लिए निकाली जा रही इस यात्रा का हमें कांग्रेस के नेताओं को जवाब देना है, क्योंकि यह यात्रा एक छलावा, ढोंग और नौटंकी यात्रा है।

प्रियंका गांधी 21 जुलाई को आएंगी ग्वालियर

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी 21 जुलाई को ग्वालियर-चंबल संभाग के दौरे पर आ रही हैं। प्रियंका केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ ग्वालियर से चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगी। रैली को लेकर कांग्रेस ने तैयारी तेज कर दी है। कांग्रेस के कई बड़े नेता रैली के दो दिन पहले ही ग्वालियर पहुंच गए हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक सिंह ने बताया कि प्रियंका गांधी 21 जुलाई को सुबह 11 बजे प्लेन से दिल्ली से ग्वालियर पहुंचेंगी। गांधी 11.20 बजे वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की समाधि स्थल पड़ाव पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगी। सिंह ने बताया कि प्रियंका गांधी 11.30 बजे ग्वालियर के मेला ग्राउंड में कांग्रेस की विशाल जनसभा को संबोधित करेंगी।

सत्ता की लड़ाई, सबको करीब लाई

- एनडीए ने कुनबा बढ़ाया, और की तलाश
- इंडिया की ताकत से भाजपा परेशान
- कांग्रेस बना रही है घेरने की रणनीति
- भाजपा के साथ बिना सीटों वाले दल भी जुड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे 24 लोक चुनाव नजदीक नजर आ रहा है सियासी दल अपना कुनबा बढ़ाने में जुट गए। नए गठबंधन इंडिया के साथ 26 दल साथ हैं सत्ता पर काबिज भाजपा के गठबंधन एनडीए के साथ 38 दल है। अगर दोनों के सहयोगी चुनाव तक छिटके नहीं तो दोनों महागठबंधनों के बीच एक जबरदस्त लड़ाई देखेने को मिलेगी। खैर ये तो चुनाव परिणाम ही बताएंगे कि कौन सा एलायंस सत्ता पाता है कौन सा विपक्ष में बैठता है। विपक्षी दलों के साथ ही एनडीए ने भी 18 जुलाई को अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। बीजेपी ने एनडीए से जुड़े 38 दलों को एक साथ खड़ा कर ये साबित करने की कोशिश की है कि विपक्षी एकता के सामने उनकी ताकत ज्यादा बड़ी है। हालांकि इस जमावड़े को लेकर कांग्रेस ने तंज कसा और पूछा कि इनमें से सभी पार्टियों का रजिस्ट्रेशन हुआ भी है या नहीं? आंकड़े भी गवाही दे रहे हैं कि एनडीए के कुनबे में शामिल कई दलों के पास एक भी लोकसभा सीट नहीं है।

दरअसल कुनबे में ज्यादा से ज्यादा दलों की संख्या को दिखाना बीजेपी की एक रणनीति भी मानी जा रही है. क्योंकि विपक्ष ने अपनी ताकत को बढ़ाया और 26 दलों को एक ही बैनर के नीचे ले आए, ऐसे में बीजेपी को अपना आंकड़ा विपक्ष से बड़ा करना था, इसीलिए तमाम छोटे दलों को भी न्योता दिया गया और उन्हें एनडीए का हिस्सा बताया. इससे मानसिक तौर पर कहीं न कहीं तमाम मोर्चों पर बीजेपी की ताकत ही ज्यादा नजर आएगी। एनडीए की बात करें तो इस खेमे में अभी कुल 332 संसद हैं। सबसे ज्यादा सदस्य भाजपा के पास 301 सांसद हैं। शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट के पास 13, लोक जनशक्ति पार्टी (पशुपति कुमार पारस) के पास छह सदस्य हैं। एनसीपी अजित गुट के दो, अपना दल (स) और शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के पास दो सांसद हैं। छह ऐसे दल हैं, जिनके पास एक-एक सांसद हैं। 25 दल ऐसे हैं, जिनके पास कोई सांसद नहीं हैं।

एनडीए में शामिल कई दल ऐसे हैं, जिनकी राष्ट्रीय राजनीति तक कोई भी पहुंच नहीं है। इसके अलावा कई ऐसे दल भी हैं, जिन्हें पिछले लोकसभा चुनाव में एक भी सीट हासिल नहीं हुई। 37 दलों का पिछले लोकसभा चुनाव में वोट शेयर महज 7 फीसदी है। वहीं सीटों की अगर बात करें तो 2019 में इन दलों के हिस्से में सिर्फ 29 सीटें हीं आईं। जबकि बीजेपी ने अकेले 303 सीटें जीतकर 37.3 वोट शेयर हासिल किया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के 37 सहयोगी दलों में से 9 दल तो ऐसे हैं, जिन्होंने कोई उम्मीदवार ही नहीं उतारा। वहीं 16 ऐसे दल हैं जिन्हें लोकसभा की एक भी सीट नहीं मिली। यानी 37 दलों में से 25 दलों का लोकसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। इनके अलावा 7 ऐसे दल हैं, जिन्हें लोकसभा की एक-एक ही सीट मिली। इसके अलावा एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पास 13 सांसद हैं, वहीं अपना दल (सोनेलाल) के 2 और लोजपा के 6 लोकसभा सांसद हैं। एनसीपी के अजित पवार की एंट्री के बाद एनडीए की कुल संख्या 332 तक पहुंच चुकी है। यानी बीजेपी के नए सहयोगी एकनाथ शिंदे ही बीजेपी के सबसे बड़े सहयोगी हैं।

एआईएडीमके के सहारे दक्षिण पर नजर

आंकड़ों के बाद अब उस सवाल का जवाब जान लेते हैं कि आखिर बीजेपी ने छोटे दलों पर ये दांव क्यों खेला है। पहला कारण हम आपको बता चुके हैं कि इससे नंबर गेम में बीजेपी विपक्ष से आगे नजर आएगी। वहीं दूसरा कारण है कि ये छोटे दल उन सीटों पर अहम भूमिका निभा सकते हैं, जहां 2019 में जीत-हार का मार्जिन काफी कम था। साउथ में बीजेपी अपना खाता खोलने के लिए पिछले कई सालों से तरस रही है, पिछले चुनाव में भी तमिलनाडु में बीजेपी का खाता नहीं खुल पाया। वहीं 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी को महज 4 सीटें मिल पाई। इसीलिए एआईएडीमके बीजेपी को पैर जमाने में मदद कर सकती है। जो 66 विधायकों के साथ तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल है। तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं। 2014 में इन सभी सीटों पर एनडीए के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। हालांकि, 2019 में पासा पलट गया। एनडीए के खाते से सभी सीटें डीएमके के पास चली गई। डीएमके अभी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। भाजपा की नजर इस पर तमिलनाडु में काफी अधिक है। यही कारण है कि एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने अपने ठीक बगल में एआईएडीएमके के मुखिया के पलानीस्वामी को बैठाया था। फोटो सेशन में भी पीएम मोदी के ठीक बगल में पलानीस्वामी बैठे थे।

चुनाव ही नहीं लड़े 9 दल

एनडीए में शामिल वो 9 दल जिन्होंने 2019 में लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा। उनमें महाराष्ट्र की जन सुराज्य शक्ति, गोवा स्थित महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी), यूपी की निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी), पंजाब की शिअद संयुक्त (ढींडसा), मणिपुर की कुकी पीपुल्स गठबंधन, मेघालय की हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, हरियाणा लोकहित पार्टी, केरल कामराज कांग्रेस और तमिलनाडु स्थित पुथिया तमिलगम शामिल हैं। कुछ दलों के महज एक-एक लोकसभा सांसद हैं। इनमें मेघालय की नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), नागालैंड के सीएम नेफ्यू रियो के नेतृत्व वाली नेशनलिस्ट डेमोक्रटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी), ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू), सिक्किम क्रांति मोर्चा (एसकेएम), नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) , ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और मिजो नेशनल फ्रंट जैसे दल शामिल हैं।

यूपी में इंडिया को करनी होगी मेहनत

लोकसभा की सबसे ज्यादा 80 सीटें यूपी में हैं। इनमें से 64 पर भाजपा, नौ पर बसपा, तीन पर समाजवादी पार्टी, दो पर अपना दल (एस) और एक पर कांग्रेस का कब्जा है। एक सीट फिलहाल खाली है। यहां गठबंधन के हिसाब से और संसद में सदस्यों के हिसाब से भी भाजपा मजबूत दिख रही है। भाजपा ने यूपी के कई अलग-अलग जातीय और क्षेत्रीय पार्टियों को अपने साथ जोड़ा है। इसके विपरीत विपक्ष यहां बिखरा हुआ है। समाजवादी पार्टी, आरएलडी और कांग्रेस का ही यहां गठबंधन है। विपक्ष से ही बसपा, एआईएमआईएम अलग चुनाव लड़ेंगे। इस तरह अभी की स्थिति में तो भाजपा का पलड़ा भारी लग रहा है। यूपी के बाद महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 48 सीटें हैं। पिछली बार भाजपा और शिवसेना ने मिलकर चुनाव लड़ा था। तब भाजपा के 23 और शिवसेना के 18 सांसद चुने गए थे। यूपीए गठबंधन का हिस्सा रही एनसीपी के चार, कांग्रेस का एक उम्मीदवार चुना गया था। एआईएमआईएम का भी एक सांसद चुना गया था। अभी यहां एनसीपी और शिवसेना दोनों ही फूट पड़ चुकी है। दोनों के ही दो गुट बन चुके हैं। एक गुट एनडीए तो दूसरा इंडिया गठबंधन में है। अभी की स्थिति में महाराष्ट्र के अंदर एनडीए का गठबंधन मजबूत माना जा सकता है।

विपक्ष के पास बढ़ी ताकत

26 विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के पास अभी लोकसभा में 141 और राज्यसभा में 93 सदस्य हैं। लोकसभा में सबसे ज्यादा कांग्रेस के 49 सदस्य हैं। दूसरे नंबर पर डीएमके के पास 24 और तृणमूल कांग्रेस के पास 23 सांसद हैं। जेडीयू के पास 16, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के पास छह सदस्य हैं। सीपीआई (एम),आईयूएमएल,नेशनल कान्फ्रेंस, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (शरद पवार) खेमे के पास 3-3 सदस्य हैं। आम आदमी पार्टी, जेएमएम, आरएसपी, एमडीएमके, वीसीके और केरला कांग्रेस (एम) के पास एक-एक सदस्य हैं। सीपीआई के दो सदस्य हैं। आठ ऐसे दल हैं, जिनके पास एक भी सांसद नहीं हैं।

बंगाल में एनडीए पर इंडिया भारी

पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 42 सीटें हैं। 2019 में इनमें से 22 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस और 18 पर भाजपा की जीत हुई थी। बंगाल में चार बड़े दल हैं। इनमें टीएमसी, भाजपा, कांग्रेस, और सीपीएम है। अभी बंगाल के तीन दल एकसाथ आ गए हैं। इनमें टीएमसी, कांग्रेस और सीपीएम है। इनके आने से विपक्ष मजबूत तो हुआ है, लेकिन अभी सीट बंटवारे को लेकर जरूर तीनों के बीच विवाद हो सकता है। इसके अलट भाजपा अकेले चुनाव लड़ रही है, जिसका फायदा उसे मिल सकता है।

बिहार में स्थिति आधे-आधे पर

बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। पिछली बार इनमें से 39 सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों को जीत मिली थी। जेडीयू भी तब एनडीए का हिस्सा थी। 17 सीटों पर अभी भाजपा का कब्जा है। जेडीयू के 16 उम्मीदवार चुनाव जीतने में कामयाब हो गए थे। छह सीट पर लोजपा और एक पर कांग्रेस को जीत मिली थी। आरजेडी का कोई भी उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाया था। अभी यहां जेडीयू, आरजेडी, कांग्रेस और सीपीआई का गठबंधन है। वहीं, भाजपा ने भी क्षेत्रीय और जातीय हिसाब से नया समीकरण बना लिया है। भाजपा ने छोटे-छोटे दलों को अपने साथ जोड़ दिया है। इसका फायदा पार्टी को आने वाले चुनाव में मिल सकता है। हालांकि, अगर सीटों के बंटवारे को लेकर महागठबंधन सही फॉर्मूला तैयार कर ले तो भाजपा नीत गठबंधन को कड़ी चुनौती का सामना कर पड़ सकता है।

हर दल का अपना आधार गठबंधन को मिलेगा लाभ

कई बार ग्राउंड पर समीकरण मजबूत करने के लिए ऐसे गठबंधन किए जाते हैं। इस गठबंधन का असर क्षेत्र, जाति, भाषा और समुदाय के हिसाब से होता है। उदाहरण के लिए जयंत चौधरी की आरएलडी को ही ले लीजिए। आरएलडी के पास अभी एक भी सांसद नहीं हैं। विधानसभा में भी छह सदस्य ही हैं। आरएलडी का प्रभाव सिर्फ पश्चिमी यूपी तक ही सीमित है। कुछ हद तक हरियाणा और राजस्थान में भी है। हालांकि, इसका ज्यादा फायदा पार्टी को नहीं मिलता है। जाट बिरादरी पर आरएलडी की पकड़ है। इसी तरह बिहार की हम, यूपी की सुभासपा, निषाद पार्टी जैसे दल भी हैं। जिनकी ताकत संसद में नहीं है, लेकिन क्षेत्र और जातीय आधार पर पकड़ जरूर है। इनके कोर वोटर्स हैं, जो कई सीटों पर अच्छा प्रभाव डालते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चमोली करंट हादसा लापरवाही या चूक!

उत्तराखंड के चमोली में बुधवार को बड़ा हादसा हुआ। प्रथम दृष्टया ये हादसा लापरवाही की वजह से हुआ। खबरों के अनुसार हादसे वाले स्थल पर मंगलवार की रात में ट्रीटमेंट प्लांट में काम करने वाले युवक की मौत हुई, सुबह पुलिस कार्रवाई के लिए पहुंची। तो इस दौरान मृतक के स्वजनों सहित अन्य लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसी बीच वहां करंट फैला और मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए। सबसे बड़ा सवाल नदी तट पर नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत कई काम चल रहे हैं। वहां निर्माण कार्यों में प्रयोग होने वाले सामान रखे हुए हैं। कुछ सामान बिजली से चलते हैं तो वहां पर सुरक्षा के इंतजाम भी होंगे। ऐसे में प्रश्न उठता है इतना बड़ा हादसा हो गया मतलब सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता नहीं थे। इससे भी बड़ी बात प्रशासन को पता है बारिश के मौसम मे पहाड़ों में नदियों के किनारे खतरनाक हो जाते हैं ऐसे में नदी के तट तक इतनी भीड़ कैसे पहुंच गई या क्यों जाने दिया गया। अब तो ये दर्दनाक हादसा हो चुका जिनके लोग इसके शिकार बने हैं वो तो दुखी है। हादसे के असली कारणों का पता तो जांच से चलेगी पर राज्य सरकार को चेतने की जरूरत है ताकि आगे से ऐसी दुर्घटना न हो। नमामि गंगे के सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के पास करंट फैल गया है। करंट लगने से 16 लोगों की मौत हो गई है।

वहीं कई लोग इसकी चपेट में आ गए हैं, इसमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। बता दें कि करंट लगने से झुलसे लोगों को पहले जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां से उन्हें ऋषिकेश एम्स रेफर कर दिया गया। घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। झुलसने वालों में तीन की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है, जिसमें चमोली के दारोगा भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली घटना में मृतकों के आश्रितों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपए की राहत राशि अविलंब प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फोन कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से चमोली घटना के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घायलों को एम्स, ऋषिकेश हेलीकाप्टर से लाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय को भी घटना की पूरी जानकारी दी गई है। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। चमोली हादसे पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। 16 लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए उन्होंने जांच के आदेश दिए हैं। सीएम धामी ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश देते हुए कहा है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

“ इससे भी बड़ी बात प्रशासन को पता है बारिश के मौसम मे पहाड़ों में नदियों के किनारे खतरनाक हो जाते हैं ऐसे में नदी के तट तक इतनी भीड़ कैसे पहुंच गई या क्यों जाने दिया गया। अब तो ये दर्दनाक हादसा हो चुका जिनके लोग इसके शिकार बने हैं वो तो दुखी है। हादसे के असली कारणों का पता तो जांच से चलेगी पर राज्य सरकार को चेतने की जरूरत है ताकि आगे से ऐसी दुर्घटना न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संपादक को पत्र...

संपादक जी, मैंने कई तरह के अखबार पढ़े हैं, लेकिन आपका अखबार एकदम अलग लगा। आपका अखबार हर खबर की गहराई तक जाता है जो बहुत ही अलग बात है इस समाचार पत्र की। इसमें आप हर बात को बड़ी सच्चाई के साथ पेश करते हैं। आपके अखबार का नाम भी अलग है। वाकई 4 पीएम से हमेशा अलग खबरें ही मिलती हैं हर रोज। साथ ही इस 4पीएम कॉम्पेक्ट होने के कारण कहीं भी आसानी से पढ़ सकते हैं। इस 8 पेज के अखबार में सभी चीजें मिल जाती हैं जैसे एक बड़े अखबार में जैसे अजब-गजब, ट्विट, व चुटकुले के साथ कहानियां कुल मिलाकर गंभीर खबरों के साथ रोचक भी है आपका अखबार।

विभोर शर्मा
राजाजीपुरम

सर, मैंने पहले कभी इस अखबार के बारे में नहीं सुना था। मगर जब इसके इसको पढ़ा है तब से मुझे व्यक्तिगत तौर पर यह अखबार अन्य अखबारों से उत्कृष्ट लगा। सबसे अलग तरह की खबरें मिलती है 4 पीएम में। खासकर अखबार की जो लिखने की शैली है वो सभी और अखबारों से एकदम जुदा है। साथ ही सभी खबरों की हेडलाइन काफी आकर्षक होती हैं। आपके अबखार का जो स्लोगन है जिद सच की वह आपकी खबर के हिसाब से एकदम सटीक हैं। आपका अखबार एकदम सच्ची खबरे प्रकाशित करता हैं। बिना किसी के डर के। ऐसे अखबार को मेरा सलाम।

ओम प्रकाश
इंदरा नगर

धारावी : इतिहास बदलने का संकल्प

गौतम अदाणी

पूर्व हैवीवेट विश्व बॉक्सिंग चैंपियन माइक टायसन एक समय अपने जीवनकाल में भारत के दो स्थानों पर जाने के लिए विशेष तौर पर इच्छुक थे। एक ताजमहल और दूसरा धारावी दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती के तौर पर पहचान रखने वाली धारावी से मेरा पहला वास्ता 70 के दशक के अंत में तब पड़ा जब देश के तमाम युवाओं की तरह मैंने भी जीवन में कुछ कर गुजरने का सपना लिए मुंबई में कदम रखा। यह सपना हीरों के कारोबार में कुछ बड़ा कर दिखाने का था। आपाधापी के उस दौर में ही मेरा वास्ता धारावी से भी पड़ा। एक ऐसा रहवासी इलाका जहां इंसानों की भीड़ घोर अमानवीय और प्रतिकूल परिस्थितियों में रहते हुए अपने आपको और अपने सपनों को जिंदा रखने के लिए लगातार संघर्षरत रहती है।

उस समय भी धारावी एक ऐसा जन समुद्र था, जिसमें देश भर की विविध मान्यताएं, संस्कृतिया और भाषाएं मिलती जाती थीं और फिर एकसार भी हो जाती थी। गुदड़ी के लाल की तर्ज पर यहां की। बेहद संकरी और लगभग हवा विहीन गलियों में आहत और अर्चभित कर देने वाले दृश्य आम है। यहां रहने वालों से आपके सवाल का उत्तर देश की किसी भी भाषा में तुरंत मिल जाएगा लेकिन उन्हें साफ-सफाई, शुद्ध पानी और स्वच्छ हवा यहां कब मिलेगी, इसका उत्तर दशकों तक उन्हें नहीं मिला। धारावी कि इस हकीकत ने मुझे हमेशा प्रेरित और परेशान दोनों रखा। दरअसल यह जीवन की जमीनी सच्चाई से परिचय का बड़ा अवसर रहा। इंसानी जीवन किन विषमताओं, परेशानियाँ कठिनाईयों से गुजरता हुआ अपने वजूद को बचाने और संवारने के लिए किस हद तक संघर्ष कर सकता है, यह धारावी कि गलियों से गुजरकर सहजता से जाना जा सकता है। धारावी दुनिया में ख्यात है लेकिन सकारात्मक नहीं नकारात्मक लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती कहलाना हमारे लिए लज्जा का विषय है। वहां नारकीय जीवन जी रहे लोगों को इस त्रासदी से उबारने की जिम्मेदारी सरकार और समाज के सामर्थयवान तबके को मिलकर उठानी ही चाहिए, यह विचार मेरे दिमाग में तब तब हथौड़े की तरह बजता था, जब जब मैं विमान से मुंबई एयरपोर्ट पर उतर रहा होता था।

लेकिन कब और कैसे? इस सवाल का उत्तर खोज पाने में असफलता ही हाथ लगती थी। देश प्रगति के नए मुकाम हासिल करता रहेगा और धारावी में हालात बद से बदतर होते रहेंगे? यह लाखों परिवार क्या ऐसा ही नारकीय जीवन जीने के लिए मजबूर रहेंगे? मानवीय गरिमा क्या सपने तक ही सीमित रहेगी? ऐसे तमाम सवालों का जब जवाब देने का समय आया तो बिना किसी झिझक के हमने कदम बढ़ा लिया। सरकार ने धारावी के कायाकल्प को लेकर जैसे ही कार्यक्रम को प्रस्तुत किया तो मुंबई से अत्यधिक लगाव और इस इलाके के हालात को लेकर दशकों से मन में मौजूद बैचेनी का नतीजा था कि हमने अन्य के मुकाबले बहुत ज्यादा बोली लगाकर इस परियोजना को हासिल किया। यह हमारे लिए सिर्फ एक व्यापारिक परियोजना नहीं है, बल्कि उससे कई बढ़कर है। सच कहूं तो इसके माध्यम से समाज को वह सब कुछ लौटाने का विनम्र प्रयास है जो हमारे समूह ने विगत दशकों में समाज से ही प्राप्त किया है। इस पुनर्वास कार्यक्रम के माध्यम से देश की संवेदनशीलता का नया अध्याय शुरू हो रहा है। यह हम सबके दृढ़ संकल्प और प्रयास से मानवीय गरिमा, सुरक्षा और समावेश वाली एक नई धारावी के निर्माण करने का ऐतिहासिक अवसर है।

अब जबकि हम इस पूरी तरह अनजान सफर लेकिन निर्धारित लक्ष्य पर 7 आगे बढ़ने की शुरुआत कर रहे हैं, हमें आगे आने वाली भारी- भरकम चुनौतियों का पूरा अहसास है। कुछ लोग इस परियोजना की तुलना 1960 के दशक में सिंगापुर के आवास सकट को हल करने में सफल रहे ट्रेलब्लेजिंग प्रोजेक्ट से करते हैं लेकिन धारावी तीन कारणों से अपने आप में एक अनूठा प्रोजेक्ट है- सबसे पहली बात यह कि यह दुनिया का सबसे बड़ा शहरी पुनर्वास और पुनरुद्धार प्रोजेक्ट में से हैं। इसमें लगभग दस लाख लोगों का पुनर्वास किया जाना है। दस लाख तो विश्व के तमाम महत्वपूर्ण शहरों की आबादी तक नहीं होती है। -दूसरा यह कि इस दौरान न सिर्फ आवासीय इकाइयों बल्कि विभिन्न आकार और पैमानों के अलग-अलग व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का पुनर्वास भी होगा। धारावी में जीवन निर्वाह के लिए चल रहे तमाम काम धंधों के पूरे

परिवेश और कारोबारी ताने-बाने को व्यवस्थित किया जायेगा, ताकि वह बेहतर अवसर व साधनों के साथ जीवन जी सके। -तीसरा, प्रोजेक्ट का लक्ष्य व्यापक और समग्र पुनर्विकास का होगा क्योंकि इसमें पात्र और अपात्र दोनों तरह के निवासियों की आवास और पुनर्वास संबंधी जरूरतों को पूरा किया जाएगा। हम एक ऐसे विश्व स्तरीय उपनगर का निर्माण करेंगे जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल और प्रेरणा का कारण रहे। 21 वी सदी भारत की सदी है, इसका अहसास इस परियोजना से दुनिया को हो सकेगा। हम एक ऐसा संस्थागत तंत्र बनाने का प्रयास करेंगे जिससे न सिर्फ धारावी के लोगों की, बल्कि अपनी अपनी असीमित प्रतिभा और जीवटता के लिए ख्यात प्रत्येक मुंबईकर की भावनाओं को धारावी के कायाकल्प की इस यात्रा में सहज रूप से जोड़ सके।

नई धारावी, पुरानी धारावी की मौलिकता और सामूहिकता की भावना को नष्ट किए बिना मुंबई के सर्वोत्कृष्ट चरित्र भावना, धैर्य, एकता, विविधता, रंग और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करेगी। हम धारावी में जीवन और जीविका दोनों को व्यवस्थित करने की समग्र रूप से शुरुआत कर रहे हैं। यह मेरी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है कि धारावीवासियों के घरों में जो आज नहीं है- वह गैस, पानी, बिजली, साफ-सफाई और जल निकासी, स्वास्थ्य देखभाल और मनोरंजन की सुविधाएं और खुली जगह हम मुहैया कराएंगे। हम धारावी वासियों के लिए विश्वस्तरीय अस्पताल और स्कूल दोनों की व्यवस्था भी करेंगे। धारावीवासी अपने पुराने घरों से तभी स्थानांतरित होंगे जब उनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था तैयार होगी। अभी गलियों में घुसते ही नाक पर रुमाल रखने को विवश कर देने वाली सड़ांध भरी धारावी अतीत का हिस्सा बन गुम हो जायेगी, इसके स्थान पर एक नई धारावी जन्म लेगी जो गर्व से गुनगुनाएगी। पुनर्वास के साथ आजीविका भी बड़ी चुनौती है। हम यहां मौजूद तमाम छोटे छोटे उद्योगों को समर्थन और सुदृढ़ता देकर धारावी का कायाकल्प एक आधुनिक बिजनेस हब के रूप में करना चाहते हैं। इस कार्य हेतु नए जमाने की नौकरियों के लिए इन लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसमे युवाओं और महिलाओं पर मुख्य फोकस होगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों और सिविल सोसायटी की मदद लेकर एक बहु-आयामी रणनीति को अमल में लाया जायेगा। इसमें कौशल विकास आधारित ट्रेनिंग सेंटर, उत्पाद केन्द्रित और सेवा केन्द्रित उद्यमिता मॉडल्स के लिए साझे सुविधा केंद्र, आरएंडडी सेंटर्स, डेटा सेंटर्स और एमएसएमई हेल्प डेस्क आदि का समन्वय होगा। धारावी के कायाकल्प के प्रयास नए नहीं हैं, बल्कि इनका लगभग आधी शताब्दी लंबा इतिहास है। इस बार पहले के अनुभवों के आधार पर टैंडर डिजाइन में किए गए कुछ स्मार्ट बदलावों ने बोली लगाने वालों की भागीदारी और इसके सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया है। उदाहरण के लिए, इस टैंडर में अपात्र किरायेदारों के पुनर्वास की भी व्यवस्था है। धारावी से सटी रेलवे की 45 एकड़ भूमि को शामिल करने से पात्र लोगों का वहीं के वहीं पुनर्वास सुनिश्चित हो सका है और प्रोजेक्ट रीडेवलपमेंट का काम तत्काल शुरू किया जाना संभव हो रहा है। यह उल्लेखनीय है कि यह ऐतिहासिक प्रोजेक्ट महाराष्ट्र की विभिन्न राज्य सरकारें एवं राज्य के सभी राजनीतिक दलों तथा वर्तमान केंद्र सरकार, जिसने रेलवे की जमीन उपलब्ध कराई, के समर्थन और सक्रीय सहयोग का परिणाम है।

हमारी टीम को और मुझे अहसास है कि धारावी प्रोजेक्ट का डिजाइन और कार्यान्वयन एक चुनौती है, जो बहुत विशाल स्तर की है। हम यह भी जानते है कि यह प्रोजेक्ट हमारे लचीलेपन, हमारी क्षमता और हमारे निष्पादन कौशल के अंतिम बिन्दु तक की परीक्षा होगा। इतने वर्षों में, अदाणी समूह ने अपनी अत्यधिक प्रेरित, अनुभवी और ऊर्जावान टीम की मदद से एक समाधान परक संस्कृति विकसित की है। मुझे विश्वास है कि सभी हितधारकों के समर्थन के साथ हम इतिहास रचेंगे और धारावी, मुंबई और भारत को गौरवान्वित करेंगे। हमारा काम पूरा होने के बाद, अगर माइक टायसन फिर धारावी का दौरा करते हैं, तो वह उस धारावी को पहचान नहीं पाएंगे, जो उन्होंने पहले देखी थी। लेकिन मुझे विश्वास है कि उन्हे धारावी की आत्मा फिर भी हमेशा की तरह जीवंत मिलेगी। ईश्वर ने चाहा तो डैनी बॉयल जैसे लोगों को पता चल जाएगा कि नई धारावी करोड़पति पैदा कर रही है, वह भी स्लमडॉग कहलाए बिना जिन्हें हमारे इस भरोसे पर शक है तो उनके लिए तमाम की ओर से प्रख्यात कवि दुष्यंत कुमार की यह पंक्तियां:-

कौन कहता है आसमान में सुराख
हो नहीं सकता एक पत्थर तो जरा
तबियत से उछालो यारों।

(लेखक अदाणी समूह के चेयरमैन हैं।)

मानसून में जाएं इन खूबसूरत जगह पर लें बारिश का मजा

मानसून जारी है। इस मौसम में कभी भी बारिश हो जाती है। बारिश का मौसम कई लोगों को पसंद होता है लेकिन जब इसी बारिश में घर से बाहर घूमने के लिए निकलना हो तो अक्सर ही कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ जाता है। घूमने का शौक रखने वाले लोग मानसून में चाहकर भी सफर की योजना नहीं बना पाते हैं, क्योंकि बारिश के कारण पहाड़ों पर लैंडस्लाइड या रास्ते बंद होने की समस्या होने की आशंका बनी रहती है। हालांकि पहाड़ों की बारिश देखने के लिए लोग उत्साहित भी रहते हैं। ऐसे में जो लोग मानसून में पहाड़ों की बारिश का मजा लेना चाहते हैं, वह ऐसी जगहों का चयन कर सकते हैं, जहां की खूबसूरती बारिश में अधिक बढ़ जाती है और सफर आसानी से किया जा सकता है। ध्यान रखें कि बारिश के मौसम में ऐसे हिल स्टेशन पर जाने से बचें, जो दुर्गम रास्तों से होते हुए जाता हो। अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों पर भी न जाएं। यहां आपको मानसून में घूमने के लिए कुछ खूबसूरत जगहों के विकल्प दिए जा रहे है, जहां की खूबसूरती बारिश में दोगुनी हो जाती है।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित धर्मशाला बहुत खूबसूरत पर्यटन स्थल है। मानसून के मौसम में धर्मशाला की प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली दोगुना बढ़ जाती है। धर्मशाला में तिब्बती संग्रहालय, कालचक्र मंदिर, कांगड़ा घाटी, युद्ध स्मारक, एचपीसीए स्टेडियम घूम सकते हैं।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड

उत्तराखंड में वर्ल्ड हेरिटेज साइट का दर्जा प्राप्त फूलों की घाटी मानसून में घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक है। बारिश का पानी जब इस जगह पर गिरता है तो रंग बिरंगे फूल खिल उठते हैं। फूलों की घाटी हिमालय की सबसे ऊंची घाटी में से एक है। मानसून में फ्लावर वैली की यात्रा के लिए जाएं तो यहां एशियाई काले भालू, हिम तेंदुए और कई लुप्तप्राय जानवर भी देखने को मिल सकते हैं।

कौसानी, उत्तराखंड

उत्तराखंड में कौसानी नाम का एक छोटा सा गांव है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए काफी पसंद किया जाता है। मानसून में यहां बादल घरों के ऊपर तक जाते हैं। नजारा एकदम स्वर्ग के समान नजर आने लगता है। मानसून में कौसानी की यात्रा कर सकते हैं। यहां ट्रेकिंग कर सकते हैं, साथ ही गांधी आश्रम, रुद्रधारी फाल्स और गुफाएं, चाय के बागान, नाशपाती के फार्म और बैजनाथ मंदिर आदि घूम सकते हैं। कौसानी में मध्यम मात्रा में वर्षा होती है, जो सफर के लिए उपयुक्त मौसम रहता है। यह अल्मोड़ा जिले से 53 किलोमीटर दुरी पर उत्तर में स्थित है। यह भारत का एक खूबसूरत पर्वतीय पर्यटक स्थल है। यह स्थान हिमालय की सुन्दरता के दर्शन कराता पिंग्नाथ चोटी पर बसा है और साथ ही साथ इस स्थान से बर्फ से ढकी नंदा देवी पर्वत की चोटी का नज़ारा बड़ा भी अत्यधिक मनमोहक प्रतीत होता है।

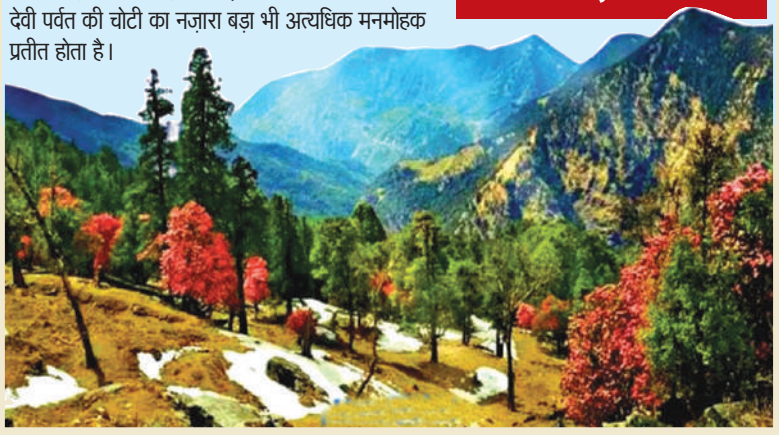

उदयपुर, राजस्थान

दिल्ली एनसीआर से करीब राजस्थान का उदयपुर शहर है, जो अपने पर्यटन स्थलों के लिए मशहूर है। उदयपुर में मानसून के महीने में आना बेहद मजेदार अनुभव करा सकता है। अरावली पहाड़ी पर बसे इस शहर को झीलों का शहर भी कहते हैं। यहां नौका विहार कर सकते हैं। साथ ही सिटी पैलेस, पिछोला झील, मानसून पैलेस, फतेह सागर झील, गुलाब बाग और मोती मगरी घूम सकते हैं।

हंसना मना है

मंदिर में पूजा करते समय गांव की एक लोभी महिला भगवान से बोली-भगवान, तेरे लिए एक सेकंड कितने सालों के बराबर है? भगवान- करोड़ों साल के बराबर, महिला- और करोंड़ो रुपये कितने के बराबर होते हैं? भगवान- रत्ती बराबर, लालच से महिला बोली- एक रत्ती मुझे भी दे दीजिए, भगवान बोले- एक सेकंड मंदिर में ही रूको, लाकर देता हूं...

टीचर- बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? स्टूडेंट- बंदर, टीचर- किताब से देख कर बोला है न? स्टूडेंट -नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला।

एक सज्जन आदमी ने एक सात साल की लड़की से पूछा -तुम्हारे बाल वाकई बहुत सुन्दर हैं..ये तुम्हे किससे मिले हैं, मम्मी या पापा से..लड़की ने बड़े सरल लहजे में उत्तर दिया, जहां तक मेरा खयाल है, मुझे ये बाल मेरे पापा से मिले हैं, क्योंकि उनके सिर के सारे बाल गायब हैं...!

दोस्त - तेरी बीवी कुछ कहती नहीं,जब शाम को दारू पीकर घर जाता है..बब्लू - कहती नहीं, बोलती है..! दोस्त क्या.. बब्लू - बोलती है, कीड़े पड़ेंगें..तुम्हारे दोस्तों को जिन्होंने तुम्हें बिगाड़ा...!

कहानी | बाड़े की कील

बहुत समय पहले की बात है, एक गांव में एक लड़का रहता था। वह बहुत ही गुस्सैल था, छोटी-छोटी बात पर अपना आप खो बैठता और लोगों को भला-बुरा कह देता। उसकी इस आदत से परेशान होकर एक दिन उसके पिता ने उसे कीलों से भरा हुआ एक थैला दिया और कहा कि अब जब भी तुम्हे गुस्सा आये तो तुम इस थैले में से एक कील निकालना और बाड़े में ठोक देना। पहले दिन उस लड़के को चालीस बार गुस्सा किया और इतनी ही कीलें बाड़े में ठोंक दी। पर धीरे-धीरे कीलों की संख्या घटने लगी,उसे लगने लगा की कीलें ठोंकने में इतनी मेहनत करने से अच्छा है कि अपने क्रोध पर काबू किया जाए और अगले कुछ हफ्तों में उसने अपने गुस्से पर बहुत हद्द तक काबू करना सीख लिया और फिर एक दिन ऐसा आया कि उस लड़के ने पूरे दिन में एक बार भी अपना आपा नहीं खोया। जब उसने अपने पिता को ये बात बताई तो उन्होंने फिर उसे एक काम दे दिया, उन्होंने कहा कि अब हर उस दिन जिस दिन तुम एक बार भी गुस्सा ना करो इस बाड़े से एक कील निकाल देना। लड़के ने ऐसा ही किया, और बहुत समय बाद वो दिन भी आ गया जब लड़के ने बाड़े में लगी आखिरी कील भी निकाल दी, और अपने पिता को ख़ुशी से ये बात बतायी। तब पिताजी उसका हाथ पकड़कर उस बाड़े के पास ले गए, और बोले, बेटे तुमने बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन क्या तुम बाड़े में हुए छेदों को देख पा रहे हो। अब वो बाड़ा कभी भी वैसा नहीं बन सकता जैसा वो पहले था। जब तुम क्रोध में कुछ कहते हो तो वो शब्द भी इसी तरह सामने वाले व्यक्ति पर गहरे घाव छोड़ जाते हैं। इसलिए अगली बार अपना आपा खोने से पहले सोचिये कि क्या आप भी उस बाड़े में और कीलें ठोकना चाहते हैं।

7 अंतर खोजें

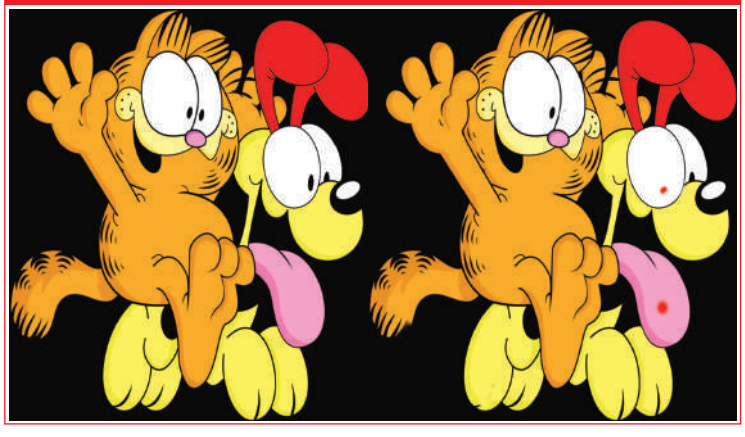

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपका अड़ियल रवैया घर पर लोगों के दिलों को चोट पहुंचा सकता है, यहां तक कि नजदीकी दोस्त भी आहत हो सकते हैं। व्यापारिक लेन-देन की चिंता रहेगी।

तुला आज आपको परिवार के कुछ मामलों पर ध्यान देना चाहिए। विचारों की विशालता और वाणी का जादू आज अन्य को प्रभावित और मंत्रमुग्ध करेगा।

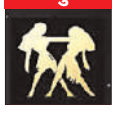

वृषभ आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। अपना काम समय से पूरा कर लेंगे। दूसरे लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी। आप हर किसी की बात को सुनने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक आप अपने परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल होंगे। परिवार के लोग आपसे खुश होंगे। ऑफिस का कोई खास काम रुक सकता है।

मिथुन किसी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस हो सकती है, अतः सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें। निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं।

धनु व्यावसायिक क्षेत्र में आज आपको बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे। प्रभावशाली लोगों से संपर्क लाभकारी रहेंगे। संपत्ति या वाहन की बिक्री या खरीद संभव है।

कर्क आज आप व्यवस्थित अंदाज और एकाग्रता से काम लेंगे, तो ज्यादातर समस्याओं से समाप्त हो जायेंगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह कर पाएंगे।

मकर पहले से बनी योजनाओं को लागू करने के लिये आज का दिन शुभ है। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा।

सिंह आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। सोचा हुआ काम समय पर पूरा हो जायेगा। पैसे कमाने के लिए नए मौके मिलेंगे। रचनात्मक काम में लगे लोगों को बड़ी सफलता मिलेगी।

कुम्भ कुछ महत्वपूर्ण लोगों से आपका कॉन्टैक्ट होगा। पारिवारिक जीवन सुखद बना रहेगा। आपको अधूरे काम पूरे हो जायेंगे। लवमेटस के रिश्ते में मजबूती आयेगी।

कन्या आपके पास नए अवसर होंगे और उनका उपयोग करके लाभ प्राप्त करेंगे, लेकिन परिवार या जीवन में कुछेक गड़बड़ियां हो सकती हैं। कयासों के लिए समय ठीक नहीं है।

मीन दफ़्तर में कुछ चीज़े आपको परेशान कर सकती हैं, लेकिन आपको हिम्मत के साथ उनका सामना करना होगा। आप अपने बच्चों के साथ प्यार भरा समय बिताएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

ओएमजी 2 विवाद सच्चाई सामने आएगी जब फिल्म रिलीज होगी: पंकज त्रिपाठी

ओह माय गॉड 2 यानी ओएमजी 2 विवाद पर फिल्म के लीड एक्टर पंकज त्रिपाठी ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही इसकी रिलीज पर बड़ी बात कहते नजर आए हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री के मल्टी टैलेंटड एक्टर पंकज त्रिपाठी जल्द ही फिल्म ओह माय गॉड 2 यानी ओएमजी 2 में नजर आने वाले हैं। गैंग्स ऑफ वासेपुर में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीतने वाले पंकज एक के बाद एक बेहतरीन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बन रहे हैं। हाल ही में एक्टर की आने वाली फिल्म ओएमजी 2 को लेकर खबर आई कि इसे रिवाइजिंग कमेटी के पास भेज दिया गया है। सीबीएफसी अध्यक्ष प्रसून जोशी फिल्म की किस्मत का फैसला करने के लिए इसे देखेंगे। हालांकि, फिल्म की टीम की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई, लेकिन अब पंकज ने अपना बयान जारी किया है। पंकज त्रिपाठी ने एक इंटरव्यू में फिल्म को लेकर आ रही खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं बस इतना ही कहूंगा कि कृपया इस बारे में जो लिखा जा रहा है, उस पर विश्वास न करें। लोग बहुत कुछ बोल रहे हैं, लेकिन सच्चाई सामने आएगी जब फिल्म रिलीज होगी। पंकज के बयान से ऐसा लग रहा है कि फिल्म को भले ही समिति के पास भेज दिया गया है, लेकिन इसकी रिलीज से जुड़ी कोई बुरी खबर नहीं है। फिल्म ओएमजी 2 अपनी रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में बना हुआ है। फिल्म के पहले पोस्टर से लेकर टीजर तक सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय बना रहा। टीजर से साफ हुआ कि फिल्म में अक्षय कुमार, भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा पंकज त्रिपाठी को कांति शरण मुद्गल के किरदार में देखा जाएगा, जो शिव के बड़े भक्त हैं। वहीं, यामी गौतम वकील के रोल में होंगी। ओएमजी 2 का डायरेक्शन अमित राय ने किया है। यह फिल्म कथित तौर पर स्कूलों में यौन शिक्षा दिए जाने के विषय पर आधारित होगी।

रणदीप हुड्डा ने बाढ़ पीड़ितों को बांटे खाने के पैकेट

रणदीप हुड्डा अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह वीर सावरकर की भूमिका में नजर आने वाले हैं। जिसके किरदार के लिए अभिनेता ने जमकर मेहनत की है। इस फिल्म के अलावा भी रणदीप इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल वह खुले दिल से लोगों की सेवा के लिए भी जाने जाते हैं और इस बार भी अभिनेता ने वही किया है। हाल ही में रणदीप ने हरियाणा में बाढ़ पीड़ितों की मदद की है। आपको याद होगा, साल 2018 में रणदीप हुड्डा ने अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ अपने जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए कोई पार्टी नहीं रखी थी। इसके बजाय वो बाढ़ से तबाह हो चुके केरल पहुंच गए और खालसा एड के साथ राहत कार्य में शामिल हुए थे। उन्होंने महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पीने का पानी भी उपलब्ध कराया है। अब एकबार अभिनेता ने साबित कर दिया है कि वह गोल्डन हार्ट वाले शख्स हैं। भारत में हो रही बारिश और कई जगहों पर बादल फटने की घटना से काफी तबाही हुई है। नदियों का जलस्तर बढ़ने से निचले इलाके बाढ़ से पीड़ित हैं। वहां काफी जलभराव हो गया है और लोगों के पास खाने-पीने के सामान के टोटा है। यही हाल हरियाणा का भी है। ऐसे में रणदीप हुड्डा ने लोगों की मदद करने की ठानी और हरियाणा में बाढ़ पीड़ितों को भोजन के पैकेट वितरित किए। एक्टर के इस नेक काम की तस्वीरें और वीडियो खालसा एड द्वारा शेयर किए गए हैं, जिसमें रणदीप सिर पर भगवा कपड़ा पहने, जरूरतमंदों को खाना पकाने का तेल बांटते देखे जा रहे हैं। उनकी गर्लफ्रेंड लिन लैशराम भी अभिनेता के साथ इस नेक काम में अपनी भागीदारी दिखा रही हैं। उनको जरूरी चीजें बांटने के लिए जल-जमाव वाले क्षेत्रों से गुजरते हुए एक नाव में देखा गया। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप ने हाल ही में फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर की शूटिंग खत्म की है। यह फिल्म वीर सावरकर के नाम से मशहूर स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की बायोपिक है।

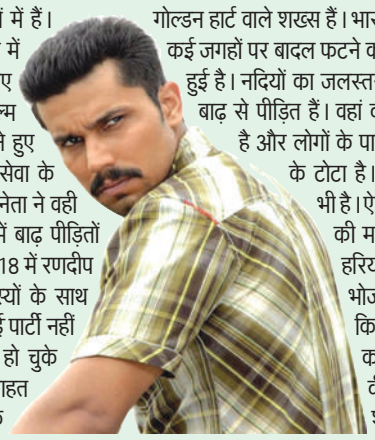

काम में ईमानदारी जरूरी: रोहित शेट्टी

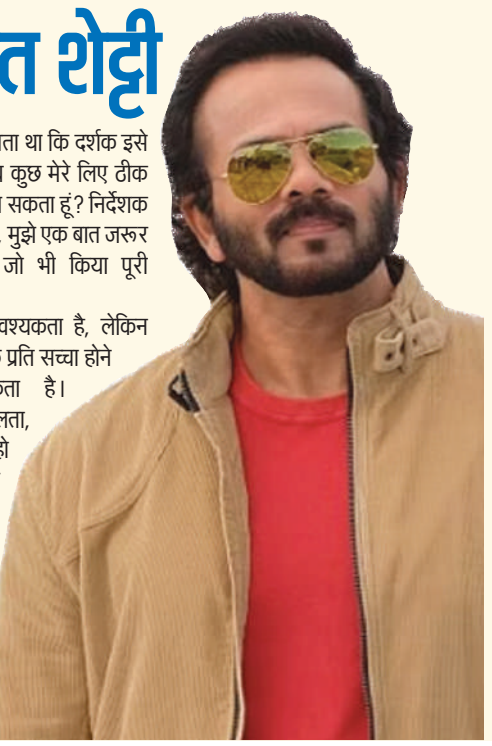

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म मेकर रोहित शेट्टी ने अपनी मेहनत और लगत के दम पर इंटस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली है। चाहे एक्शन हो, कॉमेडी हो या रोमांस डायरेक्टर हर तरह की शैली में महारत हासिल करने में कामयाब रहे हैं। एक स्टंट निर्देशक और सहायक निर्देशक के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने के बाद, उन्होंने 2003 में अपनी पहली फिल्म जमीन का निर्देशन किया था। सितंबर में रोहित एक निर्देशक के रूप में इंटस्ट्री में 20 साल पूरे कर लेंगे। फिल्म निर्माता अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। वह अजय देवगन के साथ अपनी सिंघम फ्रेंचाइजी की भी तैयारी कर रहे हैं। एक मीडिया संस्थान के साथ बातचीत के दौरान रोहित ने बताया, हम जल्द ही प्री-प्रोडक्शन शुरू करेंगे। अभी, खतरों के खिलाड़ी है और फिर हमारे पास इंडियन पुलिस फोर्स की कुछ दिनों की शूटिंग बाकी है। वहीं हमने सिंघम अगेन की तैयारी भी शुरू कर दी है। लोग को जल्द ही इसके बारे में पता चलेगा। अपनी 20 साल की जर्नी के बारे में बताते हुए उन्होंने साझा किया कि काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन अपनी ईमानदारी को हमेशा अपने पास रखा है। उन्होंने कहा, जब मैं समय में पीछे जाता हूं तो मैंने अपनी पहली फिल्म बनाई, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। दूसरी गोलमाल बनाई जो ब्रांड बन गई। एक एक्शन फिल्म बनाई जो एक पंथ बन गई फिर अचानक खतरों के खिलाड़ी मेरे पास आई, जिसे पहले सुपरस्टार अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा ने होस्ट किया था। मैं कभी नहीं जानता था कि दर्शक इसे कैसे लेंगे, लेकिन सब कुछ मेरे लिए ठीक रहा। मैं और क्या माँग सकता हूं? निर्देशक ने आगे कहा, हालांकि, मुझे एक बात जरूर कहनी चाहिए, मैंने जो भी किया पूरी ईमानदारी से किया।

बॉलीवुड | मसाला

कड़ी मेहनत की आवश्यकता है, लेकिन आपको अपने काम के प्रति सच्चा होने की भी आवश्यकता है। सफलता हो या विफलता, परिणाम कुछ भी हो ईमानदारी हमेशा बरकरार रहनी चाहिए। रोहित शेट्टी ने विस्तार से बताया कि जब कोई इतना काम कर रहा होता है, तो कभी-कभी चीजें गलत हो जाती हैं।

अजब-गजब | यहां 24 घंटे के लिए होती है शादी

40 हजार में मिल जाती हैं दुल्हनें!

दुनिया में अलग-अलग किस्म की संस्कृतियां हैं। हर जगह पर लोगों के रहन-सहन और शादी-ब्याह को लेकर अपने रीति-रिवाज होते हैं। कहीं शादियां जल्दी हो जाती हैं तो कहीं ये कई दिनों तक चलती हैं। कहीं लड़की वाले दहेज देते हैं तो कहीं लड़के वालों को दहेज देना पड़ता है। और तो और कुछ जगहों पर शादी भी किसी फिल्म की तरह कुछ घंटे ही चलती है। हम बात कर रहे अपने पड़ोसी देश चीन की, जहां के कुछ इलाकों में पुरुष सिर्फ 24 घंटे के लिए शादी करते हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक चीन में जो लोग इतने गरीब होते हैं कि शादी के दौरान लड़की को तोहफे और पैसे नहीं दे पाते, उनकी शादी ही नहीं होती है। ऐसे में वो एक खास किस्म की शादी करते हैं, जिसके ज़रिये वो सिर्फ शादीशुदा कहलाते हैं।

मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक एक दिन की शादी का ट्रेंड चीन के हुबेई प्रोविंस में खासकर ग्रामीण इलाकों में चल रहा है। यहां जो लड़के गरीब होते हैं और उनकी शादी नहीं हो पाती, वो मरने से पहले नाम के लिए शादी करते हैं। पिछले 6 सालों में ये चलन बढ़ा है। इस तरह की शादी कराने वाले एक शख्स का कहना है कि उनके पास कई पेशेवर दुल्हनें हैं, जो 40 हज़ार रुपये लेकर शादी करती हैं, जबकि उन्हें इसमें से 1000 युआन का कट मिलता है। ये लड़कियां वो होती हैं, जो ज्यादातर बाहर की होती हैं और जिन्हें पैसे की ज़रूरत होती है।

क्यों की जाती है ऐसी शादी?

दरअसल हुबेई के रूरल एरिया में ऐसा मानना है कि इंसान को उसकी मौत के बाद फैमिली ग्रेवयार्ड में तभी दफनाया जाएगा, जब वो शादीशुदा होगा। ऐसे में गरीब पुरुष शादी करके अपने पुश्तैनी कब्रगाह पर दुल्हन को लेकर जाते हैं और पूर्वजों को बताते हैं कि उनकी शादी हो चुकी है। इसके बाद उनकी जगह कब्रगाह में पक्की हो जाती है। वैसे एक वजह ये भी है कि चीन में लड़की को दिया जाने वाला दहेज भी लड़के को नहीं देना पड़ता, जो आमतौर पर 11 लाख से कम नहीं होता। आपको बता दें कि कि चीन रेंटल गर्लफ्रेंड, ब्वॉयफ्रेंड यहां तक कि माता-पिता भी मिल जाते हैं।

सिर्फ देखने के लिए दुकान में घुसे, तो लगेगा 500 का जुर्माना!

हर जगह के अपने नियम-कानून होते हैं और जब हम वहां जाते हैं, तो इनके मुताबिक ही चलना पड़ता है। भले ही अपने देश में रहते हुए हम दुकानदारों को भैया ये दिखा दो, वो दिखा दो कह-कहकर तंग कर दें लेकिन अगर कहीं विदेश में जाते हैं, तो इस मिज़ाज पर काबू रखना जरूरी हो जाता है। क्या पता इस आदत के लिए आपको लेने के देने पड़ जाएं। आपने अक्सर देखा होगा कि लोग कुछ लेना न भी हो, तो दुकान के अंदर घुसकर फालतू में चीज़ें उतरवा-उतरवाकर देखने लगते हैं। वो तो अपने देश में दुकानदारों को भी इसकी आदत पड़ चुकी है, लेकिन आपके लिए शुभ सलाह ये है कि बार्सेलोना में जाएं, तो ऐसा करने से पहले ज़रा सोच लें। यहां पर एक ग्रोसरी स्टोर है, जो काफी पुराना है। इस स्टोर का नियम ये है कि यहां आकर आप ये 'भैया ये दिखाओ' वाला जुमला नहीं दोहराएंगे। Queviures Múrria नाम का ये ग्रोसरी स्टोर बार्सेलोना में सन 1898 से चल रहा है। ये काफी मशहूर इलाके में है और इसे जिस तरह से सजाया-धजाया गया है कि सैकड़ों सैलानी यहां आने पर इसे अंदर से जरूर देखना चाहते हैं। अब दिक्कत ये है कि इनमें से ज्यादातर को दुकान की चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं होती है, वो सिर्फ इंटीरियर देखने आते हैं। न तो वो कोई बातचीत करते हैं न ही कुछ लेते हैं, सिर्फ सेल्फी और फोटो लेकर यहां से चले जाते हैं। दुकानदार से वो बात तक नहीं करते। ऐसे में दुकानदार ने टाइम बर्बाद करने का जुर्माना मांग लिया है। फिलहाल स्टोर को टोनी मेरिनो चलाते हैं। लोगों के लिए ये मजाक है लेकिन यहां काम करने वाले सैलानियों के इस तरह आने से परेशान थे। ऐसे में उन्होंने बोर्ड लगाकर लिख दिया -'सिर्फ देखने के लिए अंदर आना है, तो 5 यूरो (461 रुपये) की फीस दें'। ये फीस भी हर आदमी पर लगेगी। अब ये बोर्ड वायरल हो गया है, हालांकि इस मार्केट में ही लोगों का आना काफी कम हुआ है।

जोधपुर सामूहिक हत्याकांड पर घिरे गहलोत

» कांग्रेस विधायक ने ही उठाए अपनी सरकार पर सवाल

» भाजपा बोली- बदहाल है राज्य की कानून व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। सीएम अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या कर उन्हें जला देने के मामले में बीजेपी ने कांग्रेस की घेराबंदी शुरू कर दी है। सामूहिक हत्याकांड के बाद सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस की ओसियां विधायक दिव्या मदेरणा ने भी बयान देकर अपनी सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर बात करते हुए दिव्या मदेरणा ने कहा कि कहा कि मैं क्या बताऊं। मैं तो खुद ही सुरक्षित नहीं हूं। मुझ पर तो पुलिस सुरक्षा में ही हमला हो जाता है। हमला करने वाले आरोपी आज तक पुलिस की पकड़ में नहीं आए। इससे आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं कि प्रदेश में कानून की व्यवस्था किस स्थिति में है।

पुलिस का खुलासा- भतीजे ने की थी हत्या

ओसियां थाना क्षेत्र के रामनगर उपखण्ड में बुधवार सुबह एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर जला देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के संबंध में जानकारी मिलने के बाद इंवेस्टिगेशन टीम बनाई गई और अब हत्यारे का खुलासा हो गया है। दरअसल इस हत्याकांड में 60 वर्षीय पूनाराम उसकी 55 वर्षीय पत्नी भंवरीदेवी, पुत्रवधु धापूदेवी व 6 माह की मासूम पोती मनीषा की जान चली गई। सभी के शव एक झोपड़े में मिले थे। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा चंद घण्टों में कर दिया है। मृतक पूनाराम के भतीजे 19 वर्षीय पप्पूराम को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पप्पूराम ने ही अपने चाचा पूनाराम और अन्य लोगों की हत्या कर शवों को झोपड़ी में डालकर जला दिया था।

बिहार में कैबिनेट विस्तार पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लालू-राबड़ी से मिले नीतीश कुमार

पटना। राजगीर से लौटने के तुरंत बाद, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद से मिलने पहुंच गए। रात में नीतीश बैगर किसी तामझाम के पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर गए। उनकी मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। सूत्रों ने कहा कि तीनों नेताओं ने करीब 30 मिनट तक बंद कमरे में बैठक की।

राज्य में छह-दलीय महागठबंधन को मजबूत करने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के अलावा, उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल में अगले विस्तार पर भी बातचीत की। राज्य मंत्रिमंडल में कुल मिलाकर पांच सीटें खाली हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं। क्योंकि सहयोगी कांग्रेस कई महीनों से अपनी पार्टी के दो और विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए दबाव बना रही है। 23 जून को पटना में विपक्षी दलों की पहली बैठक के दौरान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीतीश से राज्य मंत्रिमंडल में अपनी पार्टी के अधिक विधायकों को शामिल करने के लिए कहा था। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने मंगलवार को बेंगलुरु में दूसरे विपक्षी सम्मेलन में अपनी हालिया बैठक के दौरान नीतीश को कैबिनेट विस्तार के बारे में याद दिलाया होगा।

शिवसेना उद्धव गुट के नेता अनिल परब पर ईडी ने दर्ज किया केस

» मनी लॉन्ड्रिंग पर हुई कार्रवाई, रिजॉर्ट-जमीन किया जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल परब और अन्य के खिलाफ तटीय नियमन कानून में कथित अनियमितता से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत महाराष्ट्र के रत्नागिरी स्थित बीच रिजॉर्ट और इसकी भूमि को 'अपने कब्जे में ले लिया है जिसकी कीमत करीब 10.2 करोड़ रुपये है।

संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह कदम इन संपत्तियों की कुर्की को लेकर एक जून 2023 को पीएमएलए के तहत जारी आदेश की माननीय निर्णायक प्राधिकारी द्वारा पुष्टि किए जाने के बाद उठाया गया। ईडी ने रत्नागिरी के दापोली में गाटा संख्या 446 की भूमि पर निर्मित साई रिजॉर्ट एनएक्स को इस साल के जनवरी में कुर्क किया था। अनिल परब (58) उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के साथ हैं और पूर्व में उन्होंने इस रिजॉर्ट से संबंध होने से इनकार किया था। परब महाराष्ट्र विधानमंडल के उच्च सदन,विधान परिषद में तीन बार से शिवसेना के सदस्य हैं और वह परिवहन और संसदीय मामलों का विभाग संभाल चुके हैं।

जानलेवा हो रही बारिश, पहाड़ों पर भूस्खलन से 20 की मौत

» हिमाचल-उत्तराखंड में 1,000 सड़कें बंद, हरियाणा-पंजाब में बाढ़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। दक्षिण पश्चिम मानसून में जारी भारी बारिश और भूस्खलन से पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक में कहर है। जम्मू में भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन से एक मकान के चपेट में आने से 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं महाराष्ट्र में चट्टान खिसकने 5 लोगों की मौत हो। उत्तराखंड व हिमाचल में 1-1 मौत की खबर है।

वहीं पंजाब में बारिश व बाढ़ से चार और की मौत पहाड़ों पर बारिश से दिल्ली में यमुना एक बार फिर खतरे के निशान को पार कर गई है। हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कोकण और गुजरात तक में भारी और मूसलाधार बारिश से तबाही मची हुई है। हिमाचल-उत्तराखंड में करीब 1,000 सड़कें बंद हैं। भूस्खलन से जम्मू के कठुआ में बनी तहसील में हादसा हुआ है। मरने वाले

सभी सातों एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। मूसलाधारा बारिश से गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। निचले इलाकों में पानी भर गया है। कई गांवों से संपर्क टूट गया है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। जूनागढ़ के कई इलाकों में घरों और गांवों में पानी भर जाने से बड़ी संख्या में लोग फंस गए हैं। पंजाब में बारिश और बाढ़ के और चार लोगों की मौत हो गई है। बुधवार सुबह पटियाला रागोमाजरा इलाके में मूसलाधार बारिश के कारण एक मकान की छत गिर गई। इससे दो लोगों की मौत हो गई, जबकि परिवार के तीन लोग जख्मी हैं। वहीं, लुधियाना में बुड्ढा नाला में नहाने उतरे दो युवक तेज बहाव में बह गए। दोनों की मौत हो गई। परिवार के तीन लोग घायल हैं। मौसम विभाग ने पंजाब में बुधवार से चार दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। पटियाला में मूसलाधार बारिश के बाद जैकब बैराज के फ्लड गेट खोलने पड़े। शहर के कई इलाकों में पानी भर गया है। जम्मू में भारी बारिश के बाद पठानकोट के उज्ज दरिया में जलस्तर बढ़ गया है। स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।

एशिया कप: 2 सितंबर को भिड़ेंगे भारत-पाक

» कैंडी में होगा टीम इंडिया का महामुकाबला

» मुल्तान में खेला जाएगा टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीसीबी (मेजबान बोर्ड) द्वारा तैयार किया गया मूल मसौदा कार्यक्रम पहले ही कई बार दोहराया जा चुका है, जिसका मुख्य कारण हाल ही में एसीसी द्वारा अनुमोदित हाइब्रिड मॉडल के आधार पर पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाने वाला छह देशों का टूर्नामेंट है। भारत और पाकिस्तान के बीच 2 सितंबर को शानदार मैच देखने को मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 30 अगस्त से शुरू होने वाले 2023 एशिया कप में भारत 2 सितंबर को कैंडी में पाकिस्तान से खेलेगा।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मुल्तान में खेला जाएगा, जिसमें मेजबान पाकिस्तान का मुकाबला नेपाल से होगा और फाइनल 17 सितंबर को कोलंबो में होगा। वे मैच ड्राफ्ट शेड्यूल के नवीनतम संस्करण में शामिल हैं, जिसमें एसीसी द्वारा अंतिम संस्करण की घोषणा से पहले और बदलाव देखने की संभावना है। प्रतियोगिता के सभी 13 मैच पाकिस्तान मानक समयानुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे) शुरू होने वाले हैं। पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत और नेपाल के साथ रखा गया है, जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हैं। प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सुपर फोर चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी और इस चरण की शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। एशिया कप, जो इस बार 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा, अनिवार्य रूप से भारत में 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए नेपाल को छोड़कर छह टीमों में से पांच की तैयारी है।

भारतीय महिला टीम ने वनडे श्रृंखला बराबर की दूसरे मैच में बांग्लादेश को 108 रन से हराया

मीरपुर। भारत ने बुधवार को यहां शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 108 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। भारत ने जेमिमा रोड्रिग्स (86) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (52) के अर्धशतक से आठ विकेट पर 228 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 35.1 ओवर में सिर्फ 120 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए स्मृति मंधाना (36) और हरलीन देओल (25) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। बांग्लादेश के लिए फरगाना हक (47) और रितु मंडल (27) ही भारतीय गेंदबाजों के सामने टिककर खेल पाए। जेमिमा ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए तीन रन देकर चार विकेट चटकाए। तीसरा और अंतिम एकदिवसीय शनिवार को यहीं खेला जाएगा।

कहां है यूपी पुलिस, बागपत में माहौल बिगाड़ने की कोशिश

» तमंचा तानकर लगवाए धार्मिक नारे

» मस्जिद से घर लौट रहे युवक को पीटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक बार फिर से माहौल खराब करने की कोशिश की गई है। सवाल उठ रहा है कि आखिर अब कहां गए वो पुलिस अफसर जो हर नागरिक की सुरक्षा का दावा करते हैं। मस्जिद में नमाज अदा कराकर लौट रहे शहर काजी के बेटे को कुछ युवकों ने रोक लिया। इसके बाद उन्होंने शहर काजी के बेटे पर तमंचा तान दिया और उससे जबरन जय श्रीराम के नारे लगवाए। इतना ही नहीं उसके गले में भगवा पट्टा डाल दिया। पीड़ित युवक ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट कर दी गई और जान से मारने की धमकी दे डाली। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।शहर काजी हबीबुर्रहमान का बेटा मुजीबुर्रहमान शहर की एक मस्जिद में इमाम हैं। वह पुराने कस्बे की एक मस्जिद में नमाज अदा कराकर घर लौट रहा था। मुजीबुर्रहमान ने पुलिस को बताया कि गले में भगवा गमछा डाले तीन युवकों ने उसे रास्ते में रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे।इसके बाद तमंचा तानकर पहले हिंदुस्तान जिंदाबाद और फिर जय श्रीराम के नारे लगाने का दबाव बनाया। उसने जय श्रीराम के नारे लगाने से मना किया तो उसकी पिटाई कर जान से मारने की धमकी दी। उसके गले में गमछा डालकर जबरन जय श्री राम के नारे लगवाने लगे। हंगामा होने पर तीनों युवक धमकी देते हुए भाग गए।

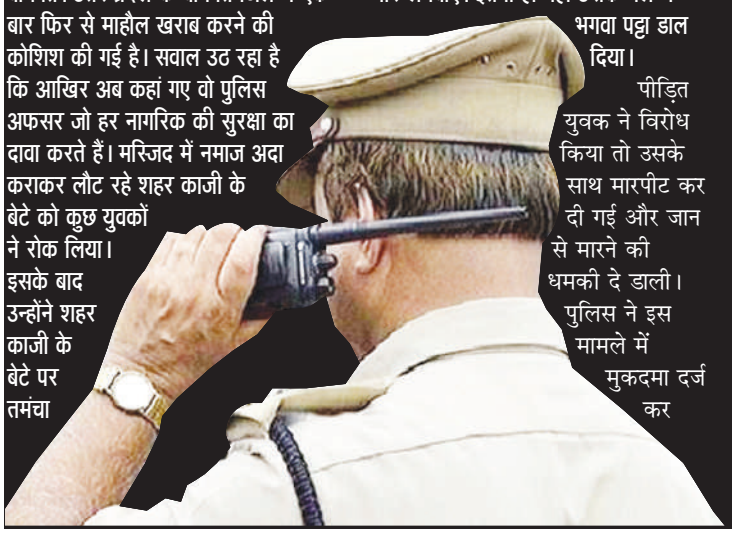

पहले भी हो चुका माहौल बिगाड़ने का प्रयास

बागपत जिले में असामाजिक तत्वों ने कुछ दिन पहले भी माहौल बिगाड़ने का प्रयास का किया था, जिसमें शुगर मिल परिसर में पीर पर भगवा रंग की पुताई कर दी थी। इसमें पुलिस ने 15 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

एसपी की फटकार पर हरकत में आई पुलिस

पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय पूरा मामला दबाने का प्रयास किया। वहीं, पीड़ित ने एसपी से शिकायत की तो एसपी ने कोतवाली पुलिस को फटकार लगाई। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और मुकदमा दर्ज किया।

फोटो: 4पीएम

प्रदर्शन कांग्रेस मुख्यालय के सामने कांग्रेस महिला मोर्चा ने लगातार बढ़ती महंगाई और मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए अभद्र व्यवहार के विरोध में प्रदर्शन किया।

दुर्घटनास्थल पर जुटी भीड़ में घुसी कार, नौ लोग कुचलकर मरे

» अहमदाबाद में इस्कॉन ब्रिज पर बड़ा हादसा,जीप और डंपर की हुई थी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज पर बड़ा हादसा हुआ है। इसमें 9 लोगों की मौत हो गई है और 13 लोग घायल हुए हैं। जीप और डंपर की टक्कर के बाद वहां खड़े लोगों को कार ने कुचला है।

मृतकों में एक पुलिसकर्मी भी शामिल है। अहमदाबाद में एक फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार से आ रही कार एक दुर्घटनास्थल पर खड़ी भीड़ में घुस गई, जिससे नौ लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सरखेज-गांधीनगर राजमार्ग के इस्कॉन पुल पर दो वाहनों के बीच टक्कर के बाद लोगों की भीड़ एकत्र थी, तभी तेज गति से आ रही एक लग्जरी कार भीड़ में घुस गई, जिससे नौ लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य लोग घायल हो गए। ऐसा बताया जा रहा है कि कार 100 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से चल रही थी। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मृतकों में बोटाद और सुरेंद्रनगर के लोग शामिल हैं।

राजस्थान बॉर्डर पर पाक का ड्रोन मार गिराया

श्रीगंगानगर में बीएसफ ने नाकाम की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीगंगानगर। राजस्थान के सरहदी जिले श्रीगंगानगर में भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तान की ओर से एक और नापाक हरकत सामने आई है। बॉर्डर पार से एक ड्रोन भेजा गया। इसके जरिए नशे की खेप भेजी गई थी। हालांकि देश के युवाओं को नशे की दलदल में डालने की इस साजिश को बीएसएफ ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान की तरफ से आ रहे ड्रोन को बीएसएफ के जवानो ने मार गिराया। इसके बाद इलाके में सर्च अभियान चलाया गया है। बीएसएफ को अब तक तीन पैकेट मिले हैं। इसमें ढाई किलो कोकीन बरामद हुई है।

बीएसएफ के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीती रात 34वीं बटालियन की बीओपी 41 पीएस के पास यह घटना हुई। बीएसएफ के जवानों को पाकिस्तान की तरफ से आ रहे ड्रोन की आवाज सुनाई दी। इस पर बीएसएफ की ओर से ड्रोन पर फायरिंग की गई। फायरिंग के दौरान ड्रोन क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। बीएसएफ को इस दौरान तीन पैकेट मिले। इनमें ढाई किलो कोकीन बरामद हुई। इस घटना के बाद इलाके में बीएसएफ और पुलिस की ओर से सयुंक्त सर्च अभियान चलाया गया। घटना के बाद बीएसएफ के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

कश्मीर में सेना ने दो घुसपैठियों को किया ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी और दो आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से चार एके राइफल्स, नौ एके मैगजीन, 175 एके की गोलियां, छह हथगोले, एक यूबीजीएल, चार यूबीजीएल गोले और अन्य आपत्तिजनक सामग्री सहित हथियारों का बड़ा जखीरा मिला। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया, ''सेना, स्थानीय पुलिस और सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) द्वारा शुरू किए गए संयुक्त अभियान के तहत सतर्क सुरक्षा बलों ने बुधवार की सुबह कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश के संबंध में खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर जिले के माछिल सेक्टर में एलओसी के पास घुसपैठ रोधी अभियान शुरू किया था। श्रीनगर में रक्षा मंत्रालय के जन संपर्क अधिकारी कर्नल इमरोन मुसावी ने कहा कि मंगलवार रात करीब 11 बजे सैनिकों को संदिग्ध गतिविधि का पता चला, जिसे निगरानी उपकरणों के माध्यम से लगातार ट्रैक किया गया। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के चार बजकर करीब 55 मिनट पर आतंकवादियों को चेतावनी दी गई। प्रवक्ता ने बताया कि त्वरित कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया।

फोटो: सुमित कुमार

चयन चयनित 39 डिप्टी कलेक्टर, 93 पुलिस उपाधीक्षक, 7 जिला खाद्य विपणन अधिकारी/जिला पूर्ति अधिकारी, 12 कोषाधिकारी / लेखाधिकारी, 10 अधिशासी अधिकारी श्रेणी-1/सहायक नगर आयुक्त/कर निर्धारण अधिकारी, 44 नायब तहसीलदार, 422 चिकित्साधिकारी, 53 प्राविधिक सहायक/खान अधिकारी/खान निरीक्षक (भू-तत्व एवं खनिकर्म निदेशालय) 5 व्यवस्थाधिकारी / व्यवस्थापक, 15 प्रबंधक / विशेष कार्याधिकारी को नियुक्ति पत्र वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

सीएम योगी ने कैप्टन अंशुमान को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सियाचिन में शहीद हुए जनपद देवरिया निवासी सेना के कैप्टन अंशुमान सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की भी घोषणा की है। उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद अंशुमान सिंह के नाम पर करने की भी घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने शहीद कैप्टन अंशुमान सिंह के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ हैं। प्रदेश सरकार द्वारा शहीद के परिवार को हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

परिजनों को 50 लाख की आर्थिक सहायता व एक सदस्य को देंगे नौकरी

पानी भरे गड्ढे में डूबकर चार मासूमों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। हरदोई जिले में पचदेवरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मैकपुर गांव में दर्दनाक हादसे से ह?कंप मच गया। यहां सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में डूबकर चार मासूम बच्चों की मौत हो गई। मैकेपुर निवासी शब्बीर अली का पुत्र अजमत (11) और सद्दाम (14) गांव के ही शौकीन अली की पुत्री खुशनुमा (12)और पुत्र मुस्तकीम (10) सड़क किनारे खेल रहे थे। इसी दौरान सड़क किनारे गड्ढे में भरे पानी में गिर गए। चारों की डूबकर मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंच रही है।

» सड़क किनारे खेल रहे थे चारों बच्चे

जनपद हरदोई में डूबने से हुई जनहानि पर सीएम योगी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक बच्चों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री जी ने दिवंगतों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के भी निर्देश दिए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।